कला स्नातक (बीएजी)

असाइन्मेन्ट 2023-24

कोर्स कोड: बीपीवाईसी-131

कोर्स: भारतीय दर्शन

अंतःविषयक एवं पराविषयक अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068

प्रिय शिक्षार्थी,

यह छह क्रेडिट वाले मुख्य कोर्स भारतीय दर्शन (बीपीवाईसी-131) से सम्बन्धित अध्यापककृत सत्रीय मूल्यांकन है, इसका पूर्णांक 100 है और भारांक 30 प्रतिशत। सत्रीय मूल्यांकन में दीर्घ, लघु, एवं संक्षिप्त टिप्पणी वाले प्रश्न सम्मिलित हैं। सत्रीय मूल्यांकन प्रारम्भ करने के पहले पाठ्यक्रम मार्गदर्शिका के निर्देशों को भली-भांति पढ़ लें। सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए एवं निर्धारित शब्द-सीमा का पालन कीजिए।

सत्रीय मूल्यांकन आपकी उत्तर-लेखन शैली में सुधार करते हुए मुख्य परीक्षा में सहायक है।

आप निर्धारित समय-सीमा में असाइन्मेन्ट जमा करने पर ही मुख्य परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। असाइन्मेन्ट को जमा करने की समय-सीमा निम्नवत् है,

| सत्र | जमा करने की अंतिम तिथि | किसके पास जमा करना है |
|---|---|---|
| जुलाई, 2023 | अप्रैल 30, 2024 | अपने अध्ययन केन्द्र समन्वयक के पास |
| जनवरी, 2024 | अक्टूबर 31, 2024 | अपने अध्ययन केन्द्र समन्वयक के पास |

ध्यातव्य: कृपया अध्ययन केन्द्र से असाइन्मेन्ट जमा करने की पावती प्राप्त करें और उसे सुरक्षित रखें। अपने असाइन्मेन्ट की एक प्रतिलिपि सुरक्षित रखें।

शुभेच्छाओं सहित!

भारतीय दर्शन

(बीपीवाईसी-131)

असाइन्मेन्ट कोड: BPYC-131/ASST/TMA/2023-24

पूर्णांक: 100

ध्यातव्य: 1: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

3. प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर हेतु शब्द-सीमा 400-400 शब्द है।

1. प्रत्यक्ष क्या है? न्याय के प्रत्यक्ष सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

मध्वाचार्य और रामानुजाचार्य द्वारा प्रतिपादित ईश्वर के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद की व्याख्या और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) सप्तभंगीनय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 10

आ) सांख्य दर्शन किस तरह प्रकृति के अस्तित्व को स्थापित करता है? 10

इ) शून्यता के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 10

ई) असत्कार्यवाद और सत्कार्यवाद के मध्य तुलना कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) स्वार्थानुमान पर टिप्पणी लिखिए। 5

आ) शंकराचार्य के सत् के पैमाने पर टिप्पणी लिखिए। 5

इ) छान्दोग्योपनिषद् के केन्द्रीय विषय पर टिप्पणी लिखिए। 5

ई) महाभारत के नैतिक दृष्टिकोण(ओं) पर टिप्पणी लिखिए। 5

उ) अख्यातिवाद क्या है? 5

ऊ) शंकर के दर्शन में अध्यास सिद्धान्त का क्या महत्व है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्ही पांच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) शब्द प्रमाण 4

आ) वैशेषिक में विशेष की अवधारणा 4

इ) परा विद्या 4

ई) काश्मीर शैव दर्शन 4

उ) बौद्ध दर्शन में प्रत्यक्ष 4

ऊ) अभाव 4

ए) असम्प्रज्ञात समाधि 4

ऐ) उपमान 4